

भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1680
जिसका उत्तर 01.08.2024 को दिया जाना है
राष्ट्रीय राजमार्ग-516 ई के निर्माण की स्थिति

1680. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय हरित राजमार्ग गलियारा परियोजना के अंतर्गत अल्लूरी सीताराम राजू (एएसआर) जिले में पूर्वी घाटों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-516 ई के निर्माण के लिए कितनी निधि आबंटित और संवितरित की गई है;
- (ख) विगत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-516 ई के निर्माण में पेश आ रही चुनौतियों/हुए विलंब का ब्यौरा क्या है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ग) राष्ट्रीय राजमार्ग-516 ई के निर्माण की वर्तमान स्थिति और इसका ब्यौरा क्या है तथा प्राप्त की गई उपलब्धि, पूरे किए गए चरण और शेष कार्य का ब्यौरा क्या है;
- (घ) राष्ट्रीय राजमार्ग-516 ई को कब तक पूरा कर लिया जाएगा और कब तक चालू कर दिया जाएगा तथा इस समय-सीमा को प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ.) राष्ट्रीय राजमार्ग-516 ई के निर्माण के दौरान पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए किए गए उपायों, जिसमें पर्यावरण हितैषी प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों का उपयोग शामिल है, का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना (जीएनएचसीपी) के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 516 ई के निर्माण के लिए संस्वीकृत कार्यों का कुल मूल्य 1696.90 करोड़ रुपये है। इसमें से पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान 699.28 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्ग 516 ई के निर्माण के दौरान भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी आदि में देरी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया और वन मंजूरी में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन और वन विभाग के साथ पूर्व में लगातार प्रयास किया।

(ग) विवरण अनुबंध-1 में संलग्न है।

(घ) जीएनएचसीपी के अंतर्गत रारा 516 ई (209 किमी) के पूरा होने की तिथि नवंबर, 2025 निर्धारित की गई है। वर्तमान में, समय सीमा को पूरा करने में कोई चुनौती नहीं दिख रही है।

(ड) पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए, पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों/सामग्री जैसे कि मिट्टी के कटाव को कम करने के लिए तटबंध के किनारे ढलानों पर पेड़-पौधे लगाना, भूजल स्तर में सुधार के लिए वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निर्माण, संरचनाओं की पहुंच के लिए ग्रीन फेशिया पैनलों का उपयोग, पुनर्नवीनीकृत डामर फुटपाथ का उपयोग, सड़क की परत की मोटाई को कम करने के लिए सीमेंट से बने सबबेस का उपयोग आदि को निर्माण में अपनाया गया है।
